Economic Times Hindi Edition Delhi
18.1.2017 Page 8
Height 23.97cm Width 14.45 cm

आधार नंबर बनेगा पेमेंट का आधार

अगले कुछ हफ्तों में सरकार 'भीम' यानी भारत इंटरफेस फॉर मनी (BHIM) ऐप के जरिए पेमेंट्स के लिए एक फीचर लॉन्च करेगी, इसमें 12 अंकों का आधार नंबर डालना होगा

[सुरभि अग्रवाल । नई दिल्ली]

आपका आधार कार्ड जल्द एक यूनिवर्सल पेमेंट आईडी बन सकता है। अगले कुछ हफ्तों में सरकार 'भीम' यानी भारत इंटरफेस फॉर मनी (BHIM) ऐप के जरिए पेमेंट्स के लिए एक फीचर लॉन्च करेगी, इसमें 12 अंकों का आधार नंबर डालना होगा। ऐसे ट्रांजैक्शंस, जिनमें BHIM ऐप पर आधार एक पेमेंट ID के रूप में लिस्टेड होगा, उनमें किसी तरह के बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन या बैंक के साथ पहले से रजिस्ट्रेशन या यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) की जरूरत नहीं होगी। इस ऐप को ज्यादा लोकप्रिय बनाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। भारत की करीब एक तिहाई आबादी के पास पहले से ही आधार नंबर हैं, जो उनके बैंक खातों से जुड़े हुए हैं।

UIDAI फिलहाल बैंकों और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के साथ मिलकर काम कर रहा है और उसे अगले कुछ हफ्तों में फीचर लॉन्च करने की उम्मीद है। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) के चीफ एग्जिक्यूटिव अजय भूषण पांडेय ने इकनॉमिक टाइम्स को बताया कि करीब 38 करोड़ लोगों ने पहले ही अपने बैंक खातों को आधार के साथ लिंक कर लिया है और वे खुद को रजिस्टर किए बिना UPI ऐप से सीधे पेमेंट रिसीव कर सकते हैं।

BHIM ऐप किसी मोबाइल नंबर को पैसा भेजने की सहूलियत देता है और प्राप्तकर्ता को पेमेंट स्वीकार करने के लिए UPI के साथ रजिस्टर्ड होना जरूरी होता है। ऐसे में डेबिट कार्ड का ब्योरा डालकर UPI पिन जेनरेट करने की लंबी प्रक्रिया अशिक्षित लोगों को हतोत्साहित कर सकती है।

पांडेय के मुताबिक, 'आधार के जरिए कोई व्यक्ति (बड़ा सर्विस प्रोवाइडर या प्लंबर या कारपेंटर जैसा इंडीपेंडेंट सर्विस प्रोवाइडर) अपनी सेवाओं के लिए सीधे अपने बैंक खातों में पेमेंट्स पा सकता है, बशर्ते उसका बैंक खाता आधार से लिंक हो। इसके लिए उनका BHIM ऐप पर होना जरूरी नहीं है।'

उन्होंने कहा कि हर महीने करीब दो करोड़ लोग अपने एकाउंट्स को आधार के साथ जोड़ रहे हैं और अगले दो-तीन महीनों में ऐसे खातों की संख्या 50-60 करोड़ पहुंच सकती है। अभी BHIM ऐप पर पांच पेमेंट ऑप्शंस- मोबाइल नंबर, बैंक एकाउंट या IFSC कोड और अन्य- हैं। आधार नंबर छठवां ऐसा ऑप्शन होगा। पांडेय ने कहा, 'फिलहाल, कुछ समस्याएं सामने आ रही हैं, लेकिन हम सिक्योरिटी मजबूत करने पर काम कर रहे हैं।' आधार को एक पेमेंट ऐड्रेस बनाना इस प्लान का एक हिस्सा है। यह आधार नंबर को प्वाइंट ऑफ सेल डिवाइसेज में और बायोमीट्रिक का इस्तेमाल करते हुए प्रामाणिक करने में अहम होगा। पांडेय ने कहा कि यह फीचर पेमेंट्स रिसीव करने वालों के मुकाबले पेमेंट्स करने वालों के लिए कहीं ज्यादा उपयोगी होगा। पांडेय ने पहले इकनॉमिक टाइम्स को बताया था, 'आंध्र प्रदेश में फेयर प्राइस शॉप्स पर एक पायलट चल रहा है, जहां दुकानदार पीडीएस लाभार्थियों से पेमेंट्स ले रहे हैं। इसके नतीजे बेहद उत्साहजनक हैं।'

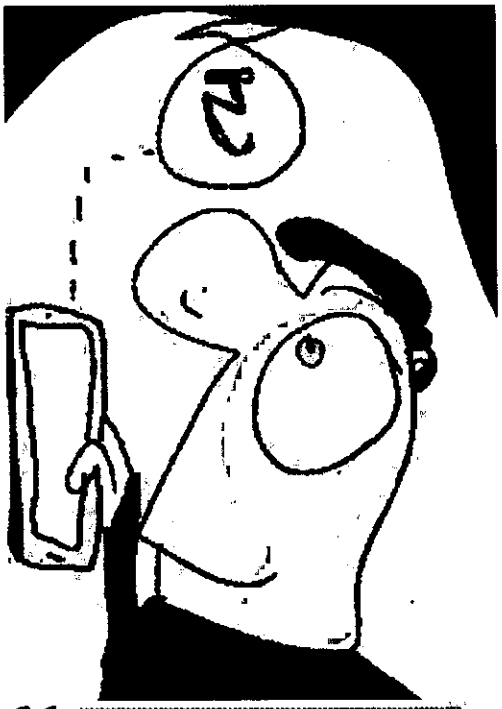

"आधार के जरिए कोई व्यक्ति अपनी सेवाओं के लिए सीधे अपने बैंक खातों में पेमेंट्स पा सकता है, बशर्ते उसका बैंक खाता आधार से लिंक हो। इसके लिए उनका BHIM ऐप पर होना जरूरी नहीं है

अजय भूषण पांडेय
UIDAI के चीफ एग्जिक्यूटिव